an>

Title: Need to tackle worsening flood situation in Farrukhabad of Uttar Pradesh.

श्री मुकेश राजपूत (फर्रुखाबाद) : माननीय अध्यक्ष जी, आपने महत्वपूर्ण मुद्दे पर मुझे बोलने का समय दिया, इसके लिए मैं आपको बहुत बहुत धन्यवाद देता हूं। मेरा संसदीय क्षेत्र फर्रुखाबाद गंगा, रामगंगा और काली नदी से घिरा हुआ क्षेत्र है। आए दिन गंगा नदी और राम गंगा नदी में कटान होता रहता है, जिसकी वजह से सैंकड़ों एकड़ जमीन तथा जमीन पर खड़ी हुई फसलें नदी के काल के गाल में समा जाती हैं। उत्तर प्रदेश सरकार से बार-बार कहने पर भी गंगा व राम गंगा नदी पर बांधों व रोक ढोकरे नहीं बनायी गई हैं। इस बार अच्छा मानसून होने की वजह से हमारे क्षेत्र में गंगा व राम गंगा में बाढ़ आ गई है, जिसकी वजह से सैंकड़ों गांव बाढ़ की चपेट में हैं तथा दर्जनों गांव कट रहे हैं। मैं आपको बताना चाहता हूं कि बहुत से गांव तथा बहुत सी जमीनें जलमग्न हैं और गांव कटने से बहुत से लोग बेघर हुए हैं। मेरा आपके माध्यम से राज्य सरकार से अनुरोध है कि जो लोग बेघर हुए हैं, उन्हें घर दिया जाए तथा जिनकी फसलें व जमीन का नुकसान हो रहा है, उन्हें मुआवजा दिया जाए। इससे पहले भी बहुत से वहां काम हुए हैं, लेकिन वे ऐसे काम हैं जिनमें बहुत भ्रष्टाचार हुआ है। बांध और रोक ढोकरे पहले भी बने हैं, लेकिन वे एक ही बरसात में बह गये हैं। इसलिए मेरा आपसे निवेदन है कि उनकी भी जांच होनी चाहिए, ताकि दुबारा इसकी पुनरावृत्ति न हो सके। धन्यवाद।

माननीय अध्यक्ष :

श्री भैरों प्रसाद मिश्र,

कुंवर पुष्पेन्द्र सिंह चंदेल,

श्री शरद त्रिपाठी,

श्री सी.पी.जोशी,

श्री सुधीर गुप्ता और

श्री रोड़मल नागर को श्री मुकेश राजपूत द्वारा उठाए गए विषय के साथ संबद्ध करने की अनुमति प्रदान की जाती है।